


20/9/20

फ़ावली पेश 527 रुई वार भावत लिखत  
गई वनील वादी व वादी उपपाणिन।

रुतः फ़ावली मद्रु घतिरी व कपल पैरती न  
घादि की जाती है। फ़ावली केंद्रल युक्त होकर  
वर्तन व कल होकर कद लकरील  गतिरु  
उपहार ही

गुण

सबखण्ड अधिकारी  
करीली (अनन)